

B.A. 2nd Semester (Honours) Examination, 2023 (CBCS)**Subject : Sanskrit****Course : CC-IV****(Self Management in the Gita)****Time: 3 Hours****Full Marks: 60***The questions are of equal value.**The figures in the margin indicate full marks.**Candidates are required to give their answer in their own words**as far as applicable.*

अधोनिर्दिष्टेषु प्रश्नेषु दशप्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीलिपिमाश्रित्य समाधेयाः। प्रत्येकस्मात् विभागात् न्यूनतया प्रश्नत्रयं स्वीकृत्य दश प्रश्नानामुत्तरं प्रदेयम्। 2×10=20

(निम्नलिखित प्रश्नগুলি থেকে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃত ভাষায় দেবনাগরী লিপিতে লিখতে হবে। প্রত্যেকটি বিভাগ থেকে অন্তত তিনটি করে প্রশ্নের উত্তর দিতে হবে।

‘ক’-বিভাগ:**‘ক’ বিভাগ**

1. (ক) শ্রীমদ্ভগবদ্গীতায়াং কতি অধ্যায়াঃ সন্তি? তত্র চতুর্থ্যাধ্যায়স্য নাম কিম্?
শ্রীমদ্ভগবদ্গীতায় কতগুলি অধ্যায় আছে? চতুর্থ্যাধ্যায়ের নাম কী?
- (খ) “তদাত্মানং সৃজাম্যহম্”- কঃ কদা আত্মানং সৃজতি?
“তদাত্মানং সৃজাম্যহম্”—কে কখন নিজেকে সৃষ্টি করেন?
- (গ) “ত্বক্কা দেহং পুনর্জন্ম নৈতি”- কঃ কথঃ পুনর্জন্ম ন এতি?
“ত্বক্কা দেহং পুনর্জন্ম নৈতি”—কে কিভাবে পুনর্জন্ম প্রাপ্ত হন না?
- (ঘ) “ক্ষিপ্ৰং হি মানুষে লোকে সিদ্ধির্ভবতি কর্মজা”- কর্মজা সিদ্ধিঃ কা ভবতি? কথং সা ক্ষিপ্ৰং ভবতি?
“ক্ষিপ্ৰং হি মানুষে লোকে সিদ্ধির্ভবতি কর্মজা”—কর্মজা সিদ্ধি কী? কিভাবে তা ক্ষিপ্ৰ হয়?
- (ঙ) কো নাম স্বাধ্যায়জ্ঞানযজ্ঞঃ?
স্বাধ্যায়জ্ঞানযজ্ঞ কী?

‘খ’-বিভাগ:**বিভাগ-‘খ’**

- (ক) কো নাম রাজসিকাহারঃ?
রাজসিক আহার কী?
- (খ) কামস্য অধিষ্ঠানং কিম্? কথং স দেহিনং বিমোহয়তি?
কামের অধিষ্ঠান কী? কিভাবে কাম দেহীকে বিমোহিত করে?

- (গ) “ন চৈবায়ং স্থিতশ্চলতি তত্বতঃ”- কঃ কস্মাত্ ন চলতি?
 “ন চৈবায়ং স্থিতশ্চলতি তত্বতঃ”—কে কোথা থেকে বিচলিত হন না?
- (ঘ) আত্যন্তিকং সুখং কিম্?
 আত্যন্তিক সুখ কী?
- (ঙ) “শান্তিঁ নির্বাণপরমাং মত্‌সংস্থামধিগচ্ছতি”- কঃ কথং কীদৃশীং শান্তিমধিগচ্ছতি?
 “শান্তিঁ নির্বাণপরমাং মত্‌সংস্থামধিগচ্ছতি”—কে কিভাবে কি রকম শান্তি প্রাপ্ত হন?
- (চ) “যোগাঃস্ति न चैकान्तमनश्नतः”- অনশনতঃ কথং যোগঃ নাস্ति?
 “যোগাঃস্ति न चैकान्तमनश्नतः”—উপবাসী ব্যক্তির যোগসাধনা হয় না কেন?
- (ছ) “एतदात्मन्येव वशं नयेत्”- কং কুত্র वशं नयेत्?
 “एतदात्मन्येव वशं नयेत्”—কাকে কোথায় বশে নিতে হবে?
- (জ) যোগী কথম্ আত্মবিশুদ্ধয়ে ধ্যানযোগং যুজ্জ্যাৎ?
 যোগী কিভাবে অন্তঃকরণের বিশুদ্ধতার জন্য ধ্যানযোগের অভ্যাস করবেন?
- (झ) के आहाराः सात्त्विकप्रियाः?
 সাত্ত্বিকপ্রিয় আহার কি কি?
- (ञ) “मनश्चञ्चलमस्थिरम्”-मनसः चञ्चलतायाः कारणं किम्? कथं वा अस्य नियमनं भवितुमर्हति?
 “मनश्चञ्चलमस्थिरम्”—মনের চঞ্চলতার কারণ কী? কীভাবেই বা একে নিরুদ্ধ করা সম্ভব?

2. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु यथाकामं चतुष्टयं समाधीयताम्। तेषु प्रश्नद्वयम् अवश्यमेव सुरगिरा समाधेयम्। 5×4=20
 নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যে কোনো চারটি প্রশ্নের উত্তর দাও। তাদের মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর অবশ্যই সংস্কৃত ভাষায় লিখতে হবে।

- (क) सरलसंस्कृतेन सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या।
 সরল সংস্কৃত ভাষায় প্রসঙ্গ নির্দেশপূর্বক ব্যাখ্যা করো।
 ये यथा मां प्रपद्यन्ते तांस्तथैव भजाम्यहम्।
 मम वर्त्मानुवर्तन्ते मनुष्याः पार्थ सर्वशः॥

अथवा

श्रेयान् द्रव्यमयाद् यज्ञाज् ज्ञानयज्ञः परन्तप।
 सर्वं कर्माखिलं पार्थ ज्ञाने परिसमाप्यते॥

(ख) सरलसंस्कृतेन सप्रसङ्गं व्याख्या कार्या।

(सरल संस्कृत भाषाय प्रसङ्ग निर्देशपूर्वक व्याख्या करो।)

धूमेनाव्रियते वह्निर्यथादर्शो मलेन च।

यथोल्बेनावृतो गर्भस्तथा तेनेदमावृतम्॥

अथवा

योगी युञ्जीत सततमात्मानं रहसि स्तितः।

एकाकी यतचित्तात्मा निराशीर परिग्रहः॥

(ग) मातृभाषया अनुवादः कार्यः।

मातृभाषाय अनुवाद करो

न मां कर्माणि लिम्पन्ति न मे कर्मफले स्पृहा।

इति मां योऽभिजानाति कर्मभिर्न स वध्यते॥

अथवा

यत्रोपरमते चित्तं निरुद्धं योगसेवया।

यत्र चैवात्मनात्मानं पश्यन्नात्मनि तुष्यति॥

(घ) तत्तुदर्शिनः के? आत्मविषयक ज्ञान लाभाय के तावदुपायाः गीतायाम् उपदिष्टाः?

তত্ত্বদর্শী কারা? আত্মবিষয়ক জ্ঞান লাভের জন্য কি কি উপায় গীতাতে উপদিষ্ট হয়েছে?

(ङ) 'चातुर्वर्ण्यं मया सृष्टं गुणकर्मविभागशः'-चातुर्वर्ण्यं किम्? चातुर्वर्ण्यं केन सृष्टम्? गुणकर्म-विभागशः इत्यस्य कोऽर्थः?

1+1+3

চাতুর্বর্ণ্য কী? এটি কার দ্বারা সৃষ্ট? গুণকর্ম-বিভাগশঃ-কথার অর্থ কী?

(च) गुणः कतिविधः? रजोगुणस्य स्वरूपं प्रकृतिञ्च व्याख्यायताम्।

2+3

গুণ কয়প্রকার ও কী কী? রজোগুণের স্বরূপ ও প্রকৃতি ব্যাখ্যা করো।

3. अधोलिखितेषु प्रश्नद्वयस्य उत्तरं दीयताम्।

10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে যেকোনো দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।

(ক) গীতায়াং বর্ণিতম্ অবতারতত্ত্বম্ আলোচ্যতাম্।

গীতায় বর্ণিত অবতারতত্ত্ব আলোচনা করো।

(ख) श्रीमद्भगवद्गीतामलम्ब्य ध्यानयोगस्य साधनोपायः विशदीक्रियताम्।

শ্রীমদ্ভগবদ্গীতা অনুসারে ধ্যানযোগের সাধনপ্রণালী বর্ণনা করো।

- (ग) “गहना कर्मणो गतिः”- कर्मणः गतिः कथं गहना इति श्रीमद्भगवद्गीतामाश्रित्य आलोच्यताम्।
“गहना कर्मणो गतिः” —कर्मের গতি দুজ্জের কেন তা श्रीमद्भगवद्गीता अनुसार आलोचना करो।
- (घ) श्रीमद्भगवद्गीतायां वर्णितं यज्ञतत्त्वम् वर्णयताम्।
श्रीमद्भगवद्गीताय वर्णित यज्ञतत्त्व वर्णना करो।
-